होशे

होशे के द्वारा यहोवा परमेश्वर का सन्देश

1 यह यहोवा का वह सन्देश है, जो बेरी के पुत्र होशे
के द्वारा प्राप्त हु आ। यह सन्देश उस समय आया था
जब यहूदा में उज्जियाह, योताम, आहाज और हिजकिय्याह
का राज्य था। यह उन दिनों की बात है जब इस्राएल के
राजा योआश के पुत्र यारोबाम का समय था।

2होशे के लिये यह यहोवा का पहला सन्देश था। यहोवा
ने कहा, "जा, और एक वेश्या से विवाह कर ले फिर
उस वेश्या से संतान पैदा कर। क्यों? क्योंकि इस देश के
लोग वेश्या का सा आचरण कर रहे हैं। वे यहोवा के
प्रति सच्चे नहीं रहे हैं। उन्होंने यहोवा को त्याग दिया है।"

यिज्रेल का जन्म

3सो होशे ने दिबलैम की पुत्री गोमेर से विवाह कर
लिया। गोमेर गर्भवती हुई और उसने होशे के लिये
एक पुत्र को जन्म दिया। 4यहोवा ने होशे से कहा,
"इसका नाम यिज्रेल रखो। क्यों? क्योंकि मैं शीघ्र ही
यिज्रेल घाटी में की गई हत्याओं के लिये येहू के परिवार
को दण्ड दूँगा फिर इसके बाद इस्राएल के वंश के
राज्य का अंत कर दूँगा 5उसी समय यिज्रेल घाटी में,
मैं इस्राएल के धनुष को तोड़ दूँगा।"

लोरुहामा का जन्म

6इसके बाद गोमेर फिर गर्भवती हुई और उसने एक
कन्या को जन्म दिया। यहोवा ने होशे से कहा, "इस
कन्या का नाम लोरुहामा रख। क्यों? क्योंकि मैं अब
इस्राएल के वंश पर और अधिक दया नहीं दिखाऊँगा।
मैं उन्हें क्षमा नहीं करूँगा। 7बल्कि मैं तो यहूदा के वंश
पर दया दिखाऊँगा। मैं यहूदा के वंश की रक्षा करूँगा।
किन्तु उनकी रक्षा के लिये मैं न तो धनुष और तलवार
का प्रयोग करूँगा और नहीं युद्ध के घोड़ों और सैनिकों
का, मैं स्वयं अपनी शक्ति से उन्हें बचाऊँगा।"

लोअम्मी का जन्म

8गोमेर ने अभी लोरुहामा को दूध पिलाना छोड़ा ही
था कि वह फिर गर्भवती हो गयी। सो उसने एक पुत्र
को जन्म दिया। 9इसके बाद यहोवा ने कहा, "इसका
नाम लोअम्मी रख। क्यों? क्योंकि तुम मेरी प्रजा नहीं
हो और मैं तुम्हारा परमेश्वर नहीं हूँ।"

परमेश्वर यहोवा का वचन: इस्राएली असंख्य होंगे

10"भविष्य में, इस्राएल की प्रजा इतनी अधिक हो
जायेगी जितने सागर की रेत के कण होते हैं। वह रेत
जो न तो नापी जा सकती है, और न ही जिसकी गिनती
की जा सकती है। फिर उसी स्थान पर जहाँ उनसे यह
कहा गया था, 'तुम मेरी प्रजा नहीं हो,' उनसे यह कहा
जायेगा 'तुम जीवित परमेश्वर की संतानें हो।'
11"इसके बाद यहूदा और इस्राएल के लोग एक
साथ इकट्ठे किये जायेंगे। वे अपने लिये एक शासक
का चुनाव करेंगे। उस धरती के हिसाब से उनकी
प्रजा अधिक हो जायेगी! यिज्रेल का दिन वास्तव में
एक महान दिन होगा।"

2 "फिर तुम अपने भाई-बंधूओं से कहा करोगे, 'तुम
मेरी प्रजा हो' और अपनी बहनों को बताया
करोगे, 'उसने मुझ पर दया दिखायी है।'"

इस्राएल की जाति से यहोवा का कथन

2"अपनी माँ के साथ विवाद करो! क्योंकि वह मेरी
पत्नी नहीं है! और नही मैं उसका पति हूँ! उससे कहो
कि वह वेश्या न बनी रहे। उससे कहो कि वह अपने
प्रेमियों को अपनी छातियों के बीच से दूर हटा दे। 3यदि
वह अपने इस व्यभिचार को छोड़ने से मना करे तो मैं
उसे एक दम नंगा कर दूँगा। मैं उसे वैसा करके छोड़ूँगा
जैसा वह उस दिन थी, जब वह पैदा हुई थी। मैं उसके

लोगों को उससे छीन लूँगा और वह ऐसी हो जायेगी
जैसे कोई वीरान रेगिस्तान होता है। मैं उसे प्यासा
मार दूँगा। 4मैं उसकी संतानों पर कोई दया नहीं
दिखाऊँगा क्योंकि वे व्यभिचार की संताने होंगी।
5उनकी माँ ने वेश्या का सा आचरण किया है। उनकी
माँ को, जो काम उसने किये हैं, उनके लिये लज्जित
होना चाहिये। उसने कहा था, 'मैं अपने प्रेमियों के
पास चली जाऊँगी। मेरे प्रेमी मुझे खाने और पीने को
देते हैं। वे मुझे ऊन और सन देते हैं। वे मुझे दाखमधु
और जैतून का तेल देते हैं।'

6"इसलिये, मैं (यहोवा) तेरी (इस्राएल) राह काँटों
से भर दूँगा। मैं एक दीवार खड़ी कर दूँगा। जिससे उसे
अपना रास्ता ही नहीं मिल पायेगा। 7वह अपने प्रेमियों
के पीछे भागेगी किन्तु वह उन्हें प्राप्त नहीं कर सकेगी।
वह अपने प्रेमियों को ढूँढती फिरेगी किन्तु उन्हें ढूँढ
नहीं पायेगी। फिर वह कहेगी, 'मैं अपने पहले पति
(परमेश्वर) के पास लौट जाऊँगी। जब मैं उसके साथ
थी, मेरा जीवन बहुत अच्छा था। आज की अपेक्षा,
उन दिनों मेरा जीवन अधिक सुखी था।'

8"वह (इस्राएल) यह नहीं जानती थी कि मैं (यहोवा)
ही उसे अन्न, दाखमधु और तेल दिया करता था। मैं उसे
अधिक से अधिक चाँदी और सोना देता रहता था। किन्तु
इस्राएल के लोगों ने उस चाँदी और सोने का प्रयोग बाल
की मूर्तियाँ बनाने में किया। 9इसलिये मैं (यहोवा) वापस
आऊँगा और अपने अनाज को उस समय वापस ले
लूँगा जब वह पक कर कटनी के लिये तैयार होगा। मैं
उस समय अपने दाखमधु को वापस ले लूँगा जब अँगूर
पक कर तैयार होंगे। अपनी ऊन और सन को भी मैं
वापस ले लूँगा। ये वस्तुएँ मैंने उसे इसलिये दी थीं कि वह
अपने नंगे तन को ढक ले। 10अब मैं उसे वस्त्र विहीन
करके नंगा कर दूँगा ताकि उसके सभी प्रेमी उसे देख
सकें। कोई भी व्यक्ति उसे मेरी शक्ति से बचा नहीं पायेगा।
11मैं (परमेश्वर) उससे उसकी सारी हँसी खुशी छीन
लूँगा। मैं उसके वार्षिक उत्सवों, नये चाँद की दावतों
और विश्राम के दिनों के उत्सवों का अंत कर दूँगा। मैं
उसकी सभी विशेष दावतों को रोक दूँगा। 12उसकी
अँगूर की बेलों और अंजीर के वृक्षों को मैं नष्ट कर
दूँगा। उसने कहा था, 'ये वस्तुएँ मेरे प्रेमियों ने मुझे दी
थीं।' किन्तु अब मैं उसके बगीचों को बदल डालूँगा। वे
किसी उजड़े जंगल जैसे हो जायेंगे। उन वृक्षों से जंगली
जानवर आकर अपनी भूख मिटाया करेंगे।

13"वह बाल की सेवा किया करती थी, इसलिये मैं
उसे दण्ड दूँगा। वह बाल देवताओं के आगे धूप जलाया
करती थी। वह आभूषणों से सजती और नथ पहना
करती थी। फिर वह अपने प्रेमियों के पास जाया करती
और मुझे भूले रहती।" यहोवा ने यह कहा था।

14"इसलिये, मैं (यहोवा) उसकी मनुहार करूँगा।
मैं उसे रेगिस्तान में ले जाऊँगा। मैं उसके साथ
दयापूर्वक बातें करूँगा। 15वहाँ मैं उसे अँगूर के बगीचे
दूँगा। आशा के द्वार के रूप में मैं उसे आकोर की
घाटी दे दूँगा। फिर वह मुझे उसी प्रकार उत्तर देगी
जैसे उस समय दिया करती थी, जब वह मिस्र से बाहर
आयी थी।" 16यहोवा ने यह बताया है।

"उस अवसर पर, तू मुझे 'मेरा पति' कह कर
पुकारेगी। तब तू मुझे 'मेरे बाल' नहीं कहेगी। 17मैं बाल
देवताओं के नामों को उसके मुख पर से दूर हटा दूँगा।
फिर लोग बाल देवताओं के नाम नहीं लिया करेंगे।

18"फिर, मैं इस्राएल के लोगों के लिये जंगल के
पशुओं, आकाश के पक्षियों, और धरती पर रेंगने
वाले प्राणियों के साथ एक वाचा करूँगा। मैं धनुष,
तलवार और युद्ध के अस्त्रों को तोड़ फेंकूँगा। कोई
अस्त्र–शस्त्र उस धरती पर नहीं बच पायेगा। मैं उस
धरती को सुरक्षित बना दूँगा जिससे इस्राएल के लोग
शांति के साथ विश्राम कर सकेंगे।19मैं (यहोवा) तुझे
सदा–सदा के लिये अपनी दुल्हन बना लूँगा। मैं तुझे
नेकी, खरेपन, प्रेम और करुणा के साथ अपनी दुल्हन
बना लूँगा। 20मैं तुझे अपनी सच्ची दुल्हन बनाऊँगा।
तब तू सचमुच यहोवा को जान जायेगी 21उस समय,
मैं तुझे उत्तर दूँगा।" यहोवा ऐसा कहता है:

"मैं आकाशों से कहूँगा और
वे धरती को वर्षा देंगे।
22 धरती अन्न, दाखमधु और तेल उपजायेगी
और वे यिज्रेल की मांग पूरी करेंगे।
23 मैं उसकी धरती पर बहुतेरे बीजों को बोऊँगा।
मैं लोरुहामा पर दया दिखाऊँगा:
मैं लोअम्मी से कहूँगा 'तू मेरी प्रजा है'
और वे मुझसे कहेंगे,
'तू हमारा परमेश्वर है।'"

होशे का गोमेर को दासता से छुड़ाना

3 इसके बाद यहोवा ने मुझसे फिर कहा, "यद्यपि गोमेर के बहुत से प्रेमी हैं। किन्तु तुझे उससे प्रीत बनाये रखनी चाहिये। क्यों? क्योंकि यह तेरा यहोवा का सा आचरण होगा। यहोवा इस्राएल की प्रजा पर अपना प्रेम बनाये रखता है किन्तु इस्राएल के लोग अन्य देवताओं की पूजा करते रहते हैं और वे दाख के पुओं को खाना पसंद करते हैं।"

2सो मैंने गामेर को चाँदी के पन्द्रह सिक्कों और नौ बुशल जौ के बदले खरीद लिया। 3फिर उससे कहा, "तुझे घर में मेरे साथ बहुत दिनों तक रहना है। तुझे किसी वेश्या के जैसा नहीं होना चाहिये। किसी पराये पुरुष के साथ तुझे नहीं रहना है। मैं तभी वास्तव में तेरा पति बनूँगा।"

4इसी प्रकार, इस्राएल के लोग बहुत दिनों तक बिना किसी राजा या मुखिया के रहेंगे। वे बिना किसी बलिदान अथवा बिना किसी स्मृति पत्थर के रहेंगे। उनके पास कोई याजकों की पोशाक नहीं होगी या उनके कोई गृह देवता नहीं होंगे। 5इसके बाद इस्राएल के लोग वापस लौट आयेंगे और तब वे अपने यहोवा परमेश्वर और अपने राजा दाऊद की खोज करेंगे। अंतिम दिनों में वे यहोवा को और उसकी नेकी को आदर देने आयेंगे।

इस्राएल पर यहोवा का कोप

4 हे इस्राएल के लोगों, यहोवा के सन्देश को सुनो! यहोवा इस देश में रहने वाले लोगों के विरुद्ध अपने तर्क बतायेगा। वास्तव में इस देश के लोग परमेश्वर को नहीं जानते। ये लोग परमेश्वर के प्रति सच्चे और निष्ठावान नहीं हैं। 2ये लोग कसमें खातें है, झूठ बोलते हैं, हत्याएँ करते हैं और चोरियाँ करते हैं। वे व्यभिचार करते हैं और फिर उससे उनके बच्चे होते हैं। ये लोग एक के बाद एक हत्याएँ करते चले जाते हैं। 3इसलिये यह देश ऐसा हो गया है जैसा किसी की मृत्यु के ऊपर रोता हुआ कोई व्यक्ति हो। यहाँ के सभी लोग दुर्बल हो गये हैं। यहाँ तक कि जंगल के पशु, आकाश के पक्षी और सागर की मछलियाँ मर रही हैं। 4किसी एक व्यक्ति को किसी दूसरे पर न तो कोई अभियोग लगाना चाहिये और न ही कोई दोष मढ़ना चाहिये। हे याजक, मेरा तर्क तुम्हारे विरुद्ध है! 5हे याजकों, तुम्हारा पतन दिन के समय होगा और रात के समय तुम्हारे साथ नबी का भी पतन हो जायेगा और मैं तुम्हारी माता को नष्ट कर दूँगा। 6"मेरी प्रजा का विनाश हुआ क्योंकि उनके पास कोई ज्ञान नहीं था किन्तु तुमने तो सीखने से ही मना कर दिया। सो मैं तुम्हें अपना याजक बनने का निषेध कर दूँगा। तुमने अपने परमेश्वर के विधान को भुला दिया हैं। इसलिए मैं तुम्हारी संतानों को भूल जाऊँगा। 7वे अहंकारी हो गये! मेरे विरुद्ध वे पाप करते चले गये। इसलिए मैं उनकी महिमा को लज्जा में बदल दूँगा।

8"याजकों ने लोगों के पापों में हिस्सा बंटाया। वे उन पापों को अधिक से अधिक चाहते चले गये। 9इसलिए याजक लोगों से कोई भिन्न नहीं रह गये थे। मैं उन्हें उनके कर्मो का दण्ड दूँगा। उन्होंने जो बुरे काम किये हैं, मैं उनसे उनका बदला चुकाऊँगा। 10वे खाना तो खायेंगे किन्तु उन्हें तृप्ति नहीं होगी! वे वेश्यागमन तो करेंगे किन्तु उनके संतानें नहीं होंगी। ऐसा क्यों? क्योंकि उन्होंने यहोवा को त्याग दिया और वे वेश्याओं के जैसे हो गये।

11"व्यभिचार, तीव्र मदिरा और नयी दाखमधु किसी व्यक्ति की सीधी तरह से सोचने की शक्ति को नष्ट कर देते हैं। 12देखों, मेरे लोग लकड़ी के टुकड़ों से सम्मति माँगते हैं। वे सोचते हैं कि ये छड़ियाँ उन्हें उत्तर देंगी। ऐसा क्यों हो गया?ऐसा इसलिए हुआ कि वे वेश्याओं के समान उन झूठे देवताओं के पीछे पड़े रहे। उन्होंने अपने परमेश्वर को त्याग दिया और वे वेश्याओं जैसे बन बैठे। 13वे पहाड़ों की चोटियों पर बलियाँ चढ़ाया करते हैं। पहाड़ियों के ऊपर बाँज, चिनार तथा बाँज के पेड़ों के तले धूप जलाते हैं। उन पेड़ों तले की छाया अच्छी दिखती है। इसलिये तुम्हारी पुत्रियाँ वेश्याओं की तरह उन पेड़ों के नीचे सोती हैं और तुम्हारी बहुएँ वहाँ पाप पूर्ण यौनाचार करती हैं।

14"मैं तुम्हारी पुत्रियों को वेश्याएँ बनने के लिये अथवा तुम्हारी बहुओं को पापपूर्ण यौनाचार के लिये दोष नहीं दे सकता। लोग वेश्याओं के पास जा कर उनके साथ सोते है और फिर वे मन्दिर की वेश्याओं के पास जा कर बलियाँ अर्पित कर देते हैं। इस प्रकार वे मूर्ख लोग स्वयं अपने आप को ही तबाह कर रहे हैं।

इस्राएल के लज्जापूर्ण पाप

15"हे इस्राएल, तू एक वेश्या के समान आचरण करती है। किन्तु यहूदा को अपराधी मत बनने दे। तू

गिलगाल अथवा बेतावेन के पास मत जा। यहोवा के नाम पर कसमें मत खा। ऐसा मत कह, 'यहोवा के जीवन की सौगन्ध!' 16इस्राएल को यहोवा ने बहुत सी वस्तुएँ दी थीं। यहोवा एक ऐसे गड़ेरिये के समान है जो अपनी भेड़ों को घास से भरपूर एक बड़े से मैदान की ओर ले जाता है। किन्तु इस्राएल जिद्दी है। इस्राएल उस जवान बछड़े के समान है जो बार-बार, इधर-उधर भागता है। 17एप्रैम भी उसकी मूर्तियों में उसका साथी बन गया। सो उसे अकेला छोड़ दो।

18"एप्रैम ने उनकी मदमत्तता में हिस्सा बटाया। उन्हें वेश्याएँ बने रहने दो। रहने दो उन्हें उनके प्रेमियों के साथ। 19वे उन देवताओं की शरण में गये और उनकी विचार शक्ति जाती रही। उनकी बलियाँ उनके लिये शर्मिंदगी ले कर आई।"

मुखियाओं ने इस्राएल और यहूदा से पाप करवाये

5 "हे याजकों, इस्राएल के वंशजो, तथा राजा के परिवार के लोगों, मेरी बात सुनो।

"तुम मिसपा में जाल के समान हो। तुम ताबोर की धरती पर फैलाये गये फँदे जैसे हो। 2तुमने अनेकानेक कुकर्म किये हैं। इसलिए मैं तुम सब को दण्ड दूँगा! 3मैं एप्रैम को जानता हूँ। मैं उन बातों को भी जानता हूँ जो इस्राएल ने की हैं। हे एप्रैम, तू अब तक एक वेश्या के जैसा आचरण करता है। इस्राएल पापों से अपवित्र हो गया है। 4इस्राएल के लोगों ने बहुत से बुरे कर्म किये हैं और वे बुरे कर्म ही उन्हें परमेश्वर के पास फिर लौटने से रोक रहे हैं। वे सदा ही दूसरे देवताओं के पीछे पीछे दौड़ते रहने के रास्ते सोचते रहते हैं। वे यहोवा को नहीं जानते। 5इस्राएल का अहंकार ही उनके विरोध में एक साक्षी बन गया है। इसलिए इस्राएल और एप्रैम का उनके पापों में पतन होगा किन्तु उनके साथ ही यहूदा भी ठोकर खायेगा।

6"लोगों के मुखिया यहोवा की खोज में निकल पड़ेंगे। वे अपनी 'भेड़ों' और 'गायों' को भी अपने साथ ले लेंगे किन्तु वे यहोवा को नहीं पा सकेंगे। ऐसा क्यों? क्योंकि यहोवा ने उन्हें त्याग दिया था। 7वे यहोवा के प्रति सच्चे नहीं रहे थे। उनकी संतानें किसी पराये से थीं। सो अब वह उनका और उनकी धरती का फिर से विनाश करेगा।"

इस्राएल के विनाश की भविष्यवाणी

8तुम गिबाह में नरसिंगे को फूँको, रामा में तुम तुरही बजाओ, बेतावेन में तुम चेतावनी दो। बिन्यामीन, शत्रु तुम्हारे पीछे पड़ा है।

9एप्रैम दण्ड के समय में उजाड़ हो जायेगा। हे इस्राएल के घरानो मैं (परमेश्वर) तुम्हें सचेत करता हूँ कि निश्चय ही वे बातें घटेंगी।

10यहूदा के मुखिया चोर से बन गये हैं। वे किसी और व्यक्ति की धरती चुराने का जतन करते रहते हैं। इसलिये मैं (परमेश्वर) उन पर क्रोध पानी सा उंडेलूँगा।

11एप्रैम दण्ड़ित किया जायेगा, उसे कुचला और मसला जायेगा जैसे अंगूर कुचले जाते हैं। क्योंकि उसने निकम्मे का अनुसरण करने का निश्चय किया था।

12मैं एप्रैम को ऐसे नष्ट कर दूँगा जैसे कोई कीड़ा किसी कपड़े के टुकड़े को बिगाड़े। यहूदा को मैं वैसे नष्ट कर दूँगा जैसे सड़ाहट किसी लकड़ी के टुकड़े को बिगाड़े।

13एप्रैम अपना रोग देख कर और यहूदा अपना घाव देख कर अश्शूर की शरण पहुँचेंगे। उन्होने अपने समस्याए उस महान राजा को बतायी थी। किन्तु वह राजा तुझे चंगा नहीं कर सकता, वह तेरे घाव को नहीं भर सकता है।

14क्योंकि मैं एप्रैम के हेतु सिंह सा बनूँगा और मैं यहूदा की जाति के लिये एक जवान सिंह बनूँगा। मैं-हाँ, मैं (यहोवा) उनके चिथड़े उड़ा दूँगा। मैं उनको दूर ले जाऊँगा, मुझसे कोई भी उनको बचा नहीं पायेगा।

15फिर मैं अपनी जगह लौट जाऊँगा जब तक कि वे लोग स्वंय को अपराधी नहीं मानेंगे, जब तक वे मुझको खोजते न आयेंगे। हाँ! अपनी विपत्तियों में वे मुझे ढूँढने का कठिन जतन करेंगे।

यहोवा की ओर लौट आने का प्रतिफल

6 आओ, हम यहोवा के पास लौट आयें। उसने आघात दिये थे वही हमें चंगा करेगा। उसने हमें आघात दिये थे वही उन पर मरहम भी लगायेगा।

2दो दिन के बाद वही हमें फिर जीवन की ओर लौटायेगा। तीसरे दिन वह ही हमें उठा कर खड़ा करेगा, हम उसके सामने फिर जी पायेंगे।

3आओ, यहोवा के विषय में जानकारी करें। आओ, यहोवा को जानने का कठिन जतन करे। हमको इसका

पता है कि वह आ रहा है वैसे ही जैसे हम को ज्ञान है कि प्रभात आ रहा है। यहोवा हमारे पास वैसे ही आयेगा जैसे कि बसंत की वह वर्षा आती है जो धरती को सींचती है।

लोग सच्चे नहीं है

4हे एप्रैम, तुम ही बताओ कि मैं (यहोवा) तुम्हारे साथ क्या करुँ? हे यहूदा, तुम्हारे साथ मुझे क्या करना चाहिये? तुम्हारी आस्था भोर की धुंध सी है। तुम्हारी आस्था उस ओस की बूंद सी है जो सुबह होते ही कहीं चली जाती है।

5मैंने नबियों का प्रयोग किया और लोगों के लिये नियम बना दिये। मेरे आदेश पर लोगों का वध किया गया किन्तु इन निर्णयों से भली बातें ऊपजेंगी।

6क्योंकि मुझे सच्चा प्रेम भाता है न कि मुझे बलियाँ भाती हैं, मुझे भाता है कि परमेश्वर का ज्ञान रखें, न कि वे यहाँ होमबलियाँ लाया करें।

7किन्तु लोगों ने वाचा तोड़ दी थी जैसे उसे आदम ने तोड़ा था। अपने ही देश में उन्होंने मेरे संग विश्वासघात किया।

8गिलाद उन लोगों की नगरी है, जो पाप किया करते हैं। वहाँ के लोग चाल बाज हैं और वे औरों की हत्या करते हैं।

9जैसे डाकू किसी की घात में छुपे रहते हैं कि उस पर हमला करें, वैसे ही शकेम की राह पर याजक घात में बैठे रहते हैं। जो लोग वहाँ से गुजरते हैं वे उन्हे मार डालते हैं। उन्होने बुरे काम किये हैं।

10इस्राएल की प्रजा में मैंने भयानक बात देखी है। एप्रैम परमेश्वर के हेतू सच्चा नहीं रहा था । इस्राएल पाप से दोषयुक्त हो गया है।

11यहूदा, तेरे लिये भी एक कटनी का समय है। यह उस समय होगा, जब मैं अपने लोगों को बंधुआयी से लौटा कर लाऊँगा।

7 मैं इस्राएल को चंगा करूँगा! लोग एप्रैम के पाप जान जायेंगे, लोगों के सामने शोमरोन के झूठ उजागर होंगे। लोग उन चोरों के बारें में जान जायेंगे जो नगर में आते जाते रहते हैं।

2लोगों को विश्वास नहीं है कि मैं उनके अपराधो की याद करूँगा। वे सब ओर से अपने किये बुरे कामों से घिरे हैं। मुझको उनके वे बुरे कर्म साफ–साफ दिख रहे हैं।

3वे अपने कुकर्मों से निज राजा को प्रसन्न रखते हैं। वे झूठे देवों की पूजा कर के अपने मुखियाओं को खुश करते हैं।

4तंदूर पर पकाने वाला रोटी के लिये आटा गूँथता है। वह तंदूर में रोटी रखा करता है। किन्तु वह आग को तब तक नहीं दहकाता जब तक की रोटी फूल नहीं जाती है। किन्तु इस्राएल के लोग उस नान बाई से नहीं हैं। इस्राएल के लोग हर समय अपनी आग दहकाये रखते हैं।

5हमारे राजा के दिन वे अपनी आग दहकाते हैं, अपनी दाखमधु की दावतें वे दिया करते हैं। मुखिया दाखमधु की गर्मी से दुखिया गये हैं। सो राजाओं न उन लोगों के साथ हाथ मिलाया है जो परमेश्वर की हँसी करते हैं।

6लोग षडयंत्र रचा करते हैं। उनके उत्तेजित मन भाड़ से धधकते हैं। उनकी उत्तेजनायें सारी रात धधका करती हैं, और सुबह होते होते वह जलती हुई आग सी तेज हो जाती हैं।

7वे सारे लोग भभकते हुये भाड़ से हैं, उन्होंने अपने राजाओं को नष्ट किया था। उनके सब शासको का पतन हुआ था। उनमें से कोई भी मेरी शरण में नही आया था।"

इस्राएल अपने नाश से बेसुध

8एप्रैम दूसरी जातियों के संग मिला जुला करता है। एप्रैम उस रोटी सा है जिसे दोनो और से वहीं सेंका गया है।

9एप्रैम का बल गैरो ने नष्ट किया है किन्तु एप्रैम को इसका पता नहीं है। सफेद बाल भी एप्रैम पर छिटका दिये गये हैं किन्तु एप्रैम को इसका पता नहीं है।

10एप्रैम का अहंकार उसके विरोध में बोलता है। लोगों ने बहुतेरी यातनायें झेली हैं किन्तु वे अब भी अपने परमेश्वर यहोवा के पास नहीं लौटे हैं। लोग उसकी शरण में नहीं गये थे।

11एप्रैम उस भोले कपोत सा बन गया है जिसके पास कुछ भी समझ नहीं होती है। लोगों ने मिस्र से सहायता मांगी और लोग अश्शूर की शरण में गये।

12वे उन देशों की शरण में जाते हैं किन्तु मैं जाल में उनको फसाऊँगा, मैं अपना जाल उनके ऊपर फेकूँगा। मैं उनको ऐसे नीचे खींच लूँगा जैसे गगन के पक्षी खेंच लिये जाते हैं। मै उनको उनकी वाचाओं का दण्ड दूँगा।

13यह उनके लिये बुरा होगा उन्होने मुझको मेरी
बात मानने से इन्कार किया। इसलिये उनको मिटा
दिया जायेगा। मैंने उन लोगों को बचाया था किन्तु वे
मेरे विरोध में झूठ बोलते हैं।
14वे कभी मन से मुझे नहीं पुकारते हैं। हाँ, बिस्तर
में पड़े हुए वे पुकारा करते हैं। जब वे नया अन्न और
नयी दाखमधु मांगते हैं तब पूजा के अंग के रूप में वे
अपने अंगों को स्वंय काटा करते हैं। किन्तु वे अपने
हृदय में मुझ से दूर हुये हैं।
15मैंने उन्हें सधाया था और उनकी भुजा बलशाली
बनायी थी, किन्तु उन्होंने मेरे विरोध में षड़यंत्र रचे।
16वे झूठे देवों की ओर मुड़ गये। वे उस धनुष के
समान बने जो झूठे लक्ष्य भेद करता है। उनके मुखिया लोग
अपनी ही शक्ति की शेखी बघारते थे, किन्तु उन्हें तलवार
के घाट उतारा जायेगा। फिर लोग मिस्र में उन पर हँसेंगे।

मूर्ति पूजा से इस्राएल का विनाश

8 तुम अपने होठों से नरसिंगा लगाओ और चेतावनी
फूँको। यहोवा के भवन के ऊपर तुम उकाब
से बन जाओ। इस्राएल के लोगों ने मेरी वाचा को तोड़
दिया; उन्होने मेरे विधान का पालन न किया।
2वे मुझको आर्त स्वर से पुकारते है, "हे मेरे
परमेश्वर, हम इस्राएल के वासी तुझ को जानते हैं!"
3किन्तु इस्राएल हाय! उसने भली बातों को नकार
दिया। इसी से शत्रु उसके पीछे पड़ गया हैं।
4इस्राएल वासियों ने अपना राजा चुना किन्तु वे मेरे
पास सम्मति को नहीं आये। इस्राएल वासियों ने अपने
मुखिया चुने थे किन्तु उन्होंने उन्हें नहीं चुना जिनको
मैं जानता था। इस्राएल वासियों ने अपने लिये मूर्तियां
घड़ने में अपने सोने चांदी का प्रयोग किया, इसलिये
उनका नाश होगा।
5-6हे शोमरोन, यहोवा ने तेरे बछड़े का निषेध
किया। इस्राएल निवासियों से परमेश्वर कहता है–"मैं
बहुत ही कुपित हूँ, इस्राएल के लोगों को उनके पापों
के लिये दण्ड दिया जायेगा। कुछ कामगारों ने वे मूर्ति
बनाये थे वे परमेश्वर तो नहीं है। शोमरोन के बछड़े
को टुकड़े–टुकड़े तोड़ दिया जायेगा।
7"इस्राएल के लोगों ने एक ऐसा काम किया जो मूर्खता
से भरा था। वह ऐसा काम था जैसे कोई हवा को बोने
लगे। किन्तु उनके हाथ बस विपत्तियाँ लगेंगी – वे केवल
एक बवण्ड़र काट पायेंगे। खेतों को बीच में अनाज तो
उगेगा नहीं, इससे वे भोजन नहीं पायेंगे, और यदि थोड़ा
बहुत उग भी जाये तो उसको पराये खा जायेंगे।
8"इस्राएल निगला गया (नष्ट किया गया) है, इस्राएल
एक ऐसा बेकार सा पात्र हो गया है जिसको कोई भी
नहीं चाहता है। इस्राएल को दूर फेंक दिया गया–दूसरे
लोगों के बीच में उन्हें छिटक दिया गया।
9"एप्रैम अपने 'प्रेमियों' के पास गया था। जैसे कोई
जंगली गधा भटके। वैसे ही वह अश्शूर में भटका।
10"इस्राएल अन्यजातियों के बीच निज 'प्रेमियों' के
पास गया किन्तु अब आपस में इस्राएल निवासियों को
मैं इकट्ठा करूँगा। उस शक्तिशाली राजा से वे कुछ
सताये जायेंगे।"

इस्राएल का परमेश्वर को बिसराना और मूर्तियों को पूजना

11एप्रैम ने अधिकाधिक वेदियों बनायी थी किन्तु
वह तो एक पाप था। वे वेदियों ही एप्रैम के हेतु पाप
की वेदियों बन गई।
12यद्यपि मैंने एप्रैम के हेतू दस हजार नियम लिख
दिये थे, किन्तु उसने सोचा था कि वे नियम जैसे
किसी अजनबी के लिये हों।
13इस्राएल के लोगों को बलियां भाती थी, वे माँस
का चढ़ावा चढ़ाते थे और उसको खाया करते थे।
यहोवा उनके बलिदानों को नहीं स्वीकारता है। वह
उनके पापों को याद रखता है, वह उनको दण्डित
करेगा, उनको मिस्र बंदी के रूप में ले जाया जायेगा।
14इस्राएल ने राजमहल बनाये थे किन्तु वह अपने
निर्माता को भूल गया! अब देखो यहूदा ये गढ़ियाँ बनाता
है। किन्तु मैं यहूदा के नगरी पर आग को भेजूँगा
और वह आग यहूदा की गढ़ियाँ नष्ट करेगा!

देश निकाले का दुःख

9 हे इस्राएल, तू उस पुकार का आनन्द मत मना,
जैसे देश–देश के लोग मनाते हैं! तू प्रसन्न मत हो!
तूने तो एक वेश्या के जैसा आचरण किया है और परमेश्वर
को बिसरा दिया है। तूने हर खलिहान की धरती पर
व्यभिचार किया है। 2किन्तु उन खलिहानों से मिला अन्न

इस्राएल को पर्याप्त भोजन नहीं दे पायेगा। इस्राएल के लिये पर्याप्त दाखमधु भी नहीं रहेगी।

3इस्राएल के लोग यहोवा की धरती पर नहीं रह पायेंगे। एप्रैम मिस्र को लौट जायेगा। अश्शूर में उन्हें वैसा खाना खाना पड़ेगा जैसा उन्हें नहीं खाना चाहिये। 4इस्राएल के निवासी यहोवा को दाखमधु का चढ़ावा नहीं चढ़ायेंगे। वे उसे बलियाँ अर्पित नहीं कर पायेंगे। ये बलियाँ उनके लिए विलाप करते हुए की रोटी जैसी होंगी। जो इसे खाएंगे वैसे भी अपवित्र हो जाएंगे। यहोवा के मन्दिर में उनकी रोटी नहीं जा पायेगी। उनके पास बस उतनी सी ही रोटी होगी, जिससे वे मात्र जीवित रह पायेंगे। 5वे (इस्राएली) यहोवा के अवकाश के दिनों अथवा उत्सवों को मना नहीं पायेंगे।

6इस्राएल के लोग पूरी तरह से नष्ट होने के डर से अश्शूर को गये थे किन्तु मिस्र उन्हें इकट्ठा करके ले लेगा। मोप के लोग उन्हें गाड़ देंगे। चाँदी से भरे उनके खज़ानों पर खरपतवार उग आयेगा। उनके डेरों में, कँटीली झाड़ियाँ उग आयेंगी।

इस्राएल ने सच्चे नबियों को नकारा

7नबी कहता है, "हे इस्राएल, इन बातों को जान ले दण्ड देने का समय आ गया है। जो बुरे काम तूने किये हैं, तेरे लिये उनके भुगतान का समय आ गया है।" किन्तु इस्राएल के लोग कहते हैं, "नबी मूर्ख है, परमेश्वर की आत्मा से युक्त यह पुरुष उन्मादी है।" नबी कहता है, "तुम्हारे बुरे कामों के लिये तुम्हें दण्ड दिया जायेगा। तुम्हारी घृणा के लिये तुम्हें दण्ड दिया जायेगा।"

8परमेश्वर और नबी उन पहरेदारों के समान हैं जो ऊपर से एप्रैम पर ध्यान रखे हुए हैं। किन्तु मार्ग तो अनेक फँदों से भरा हुआ है। किन्तु लोग तो नबी से उसके परमेश्वर के घर तक में घृणा करते हैं।

9गिबा के दिनों की तरह इस्राएल के लोग तो बर्बादी के बीच गहरे उतर चुके हैं। यहोवा इस्राएलियों के पापों का ध्यान कर के, उन्हें उनके पापों का दण्ड देगा।

मूर्ति पूजा के कारण इस्राएल का विनाश

10जैसे रेगिस्तान में किसी को अँगूर मिल जायें, मेरे लिये इस्राएल का मिलना वैसा ही था। तुम्हारे पूर्वज मुझे ऐसे ही मिले जैसे ऋतु के प्रारम्भ में अंजीर के पेड़ पर किसी को अंजीर के पहले फल मिलते हैं। किन्तु वे तो बाल-पोर के पास चले गये। वे बदल गये और ऐसे हो गये जैसे कोई सड़ी-गली वस्तु होती है। वे जिन भयानक वस्तुओं को (झूठे देवताओं को) प्रेम करते थे, उन्हीं के जैसे हो गये।

इस्राएलियों का वंश नहीं बढ़ेगा

11इस्राएल का वैभव कहीं वैसे ही उड़ जायेगा, जैसे कोई पक्षी उड़ जाता है। वहाँ न कोई गर्भ धारण करेगा, न कोई जन्म लेगा और न ही बच्चे होंगे। 12किन्तु यदि इस्राएली अपने बच्चे पाल भी लेंगे तो भी सब बेकार जायेगा। मैं उनसे उनके बच्चे छीन लूँगा। मैं उन्हें त्याग दूँगा और उन्हें विपदाओं के अलावा कुछ भी नहीं मिल पायेगा।

13मैं देख रहा हूँ कि एप्रैम अपनी संतानों को एक फँदें की ओर ले जा रहा है। एप्रैम अपने बच्चों को इस हत्यारे के पास बाहर ला रहा है। 14हे यहोवा, तुझे उनको जो देना है, उसे तू उन्हें दे दे। उन्हें एक ऐसा गर्भ दे, जो गिर जाता है। उन्हें ऐसे स्तन दे जो दूध नहीं पिला पाते।

15उनकी समूची बुराई गिल्गाल में है। वहीं मैंने उनसे घृणा करना शुरु किया था। मैं उन्हें मेरे घर से निकल जाने को विवश करूँगा, उनके उन कुकर्मो के लिये जिनको वे करते हैं। मैं उनसे अब प्यार नहीं करता रहूँगा। उनके सभी मुखिया मुझसे बागी हो गये हैं, अब वे मेरे विरोध में हो गये हैं।

16एप्रैम को दण्ड दिया जायेगा, उनकी जड़ सूख रही है। उनके और अधिक संताने अब नहीं होंगी। चाहे उनके संताने होती रहें किन्तु उनके दुलारे शिशुओं को जो उनके शरीर से पैदा होते हैं मैं मार डालूंगा।

17वे लोग मेरे परमेश्वर की तो नहीं सुनेंगे; सो वह भी उनकी बात सुनने को नकार देगा और फिर वे अन्य देशों के बीच बिना किसी घर के भटकते हुये फिरेंगे।

इस्राएल के वैभव ने इस्राएल से मूर्ति पूजा करवाई

10 इस्राएल एक ऐसी दाखलता है
जिस पर बहुतेरे फल लगते हैं।
इस्राएल ने परमेश्वर से अधिकाधिक वस्तुऐं
पाई किन्तु वह झूठे देवताओं के लिये
अनेकानेक वेदियाँ बनाता ही चला गया।

उसकी धरती अधिकाधिक उत्तम होने लगी
सो वह अच्छे से अच्छा पत्थर झूठे
देवताओं को मान देने के लिये पधराता गया।
2 इस्राएल के लोग परमेश्वर को
धोखा देने का जतन करते ही रहे।
किन्तु अब तो उन्हें निज अपराध
मानना चाहिये।
यहोवा उनकी वेदियों को तोड़ फेंकेगा,
वह स्मृति–स्तूपों को तहस–नहस करेगा।

इस्राएलियों के बुरे निर्णय

3अब इस्राएल के लोग कहा करते हैं, "न तो हमारा
कोई राजा है और न ही हम यहोवा का मान करते हैं!
और उसका राजा हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता है!"
4वे वचन तो देते हैं। किन्तु वचन देते हुए बस वे
झूठ ही बोलते हैं। वे उन वचनों का पालन नहीं करते!
दूसरे देशों के साथ वे ऐसी सन्धि करते हैं, जो सन्धि
परमेश्वर को नहीं भाती। न्यायाधीश जोते हुए खेत में
उगने वाले जहरीले खरपतवार के जैसे हो गये हैं।
5शोमरोन के लोग बेतावेन में बछड़ों की पूजा करते
हैं। ऐसे लोगों को वास्तव में विलाप करना होगा। वे याजक
वास्तव में विलाप करेंगे क्योंकि उसकी सुन्दर मूर्ति कही
चली गई है। उसे कहीं उठा ले जाया गया। 6उसे अश्शूर
के महान राजा को उपहार देने के लिए उठा ले जाया
गया। एप्रैम की लज्जापूर्ण मूर्ति को वह ले लेगा। इस्राएल
को अपनी मूर्तियों पर लज्जित होना होगा। 7शोमरोन के
झूठे देवता को नष्ट कर दिया जायेगा। वह पानी पर
तैरते हुए किसी लकड़ी के टुकड़े जैसा हो जायेगा।
8इस्राएल ने पाप किये और ऊँचे स्थानों का निर्माण
किया। आवेन के ऊँचे स्थान नष्ट कर दिये जायेंगे।
उनकी वेदियों पर कँटीली झाड़ियाँ और खरपतवार
उग आयेंगे। उस समय वे पर्वतों से कहेंगे, "हमें ढक
लो" और पहाड़ियों से कहेंगे, "हम पर गिर पड़ो!"

इस्राएल को अपने पाप का भुगतान करना होगा

9हे इस्राएल, तू गिबा के समय से ही पाप करता
आया हैं और वे लोग वहाँ पाप करते ही चले गये।
गिबा के वे दुष्ट लोग सचमुच युद्ध की पकड़ में आ
जायेंगे। 10उन्हें दण्ड देने के लिए मैं आऊँगा। उनके
विरुद्ध इकट्ठी होकर सेनाएँ चढ़ आयेंगी। इस्राएलियों
को उनके दोनों पापों के लिए वे दण्ड देंगी।
11एप्रैम उस सुधारी हुई जवान गाय के समान है
जिसे खलिहान में अनाज पर गहाई के लिये चलना
अच्छा लगता है। मैं उसके कन्धों पर एक उत्तम जुवा
रखूँगा। मैं एप्रैम पर रस्सी लगाऊँगा। फिर यहूदा जुताई
करेगा और स्वयं याकूब धरती को फोड़ेगा।
12यदि तुम नेकी को बोओगे तो सच्चे प्रेम की
फसल काटोगे। अपनी धरती को जोतो और यहोवा
की शरण जाओ। यहोवा आयेगा और वह तुम पर
वर्षा की तरह नेकी बरसायेगा!
13किन्तु तुमने तो बदी का बीज बोया है और विपत्ति
की फसल काटी है। तुमने अपने झूठ का फल भोगा
है। ऐसा इसलिये हुआ कि तुमने अपनी शक्ति और
अपने सैनिकों पर विश्वास किया। 14इसलिये तुम्हारी
सेनायें युद्ध का शोर सुनेंगी और तुम्हारी गढ़ियाँ ढह
जायेंगी। यह वैसा ही होगा जैसे बेतर्बेल नगर को युद्ध
के समय शल्मन ने नष्ट कर दिया था। युद्ध के उस
समय अपने बच्चों के साथ माताओं की हत्या कर दी
गयी थी। 15बेतेल में तुम्हारे साथ भी ऐसा ही होगा
क्योंकि तुमने बहुत से कुकर्म किये हैं। उस दिन के
शुरु होने पर इस्राएल के राजा का पूरी तरह विनाश
हो जायेगा।

इस्राएल यहोवा को भूल गया

11 "जब इस्राएल अभी बच्चा था, मैंने, (यहोवा ने)
उसको प्रेम किया था। मैंने अपने बच्चे को
मिस्र से बाहर बुला लिया था।
2किन्तु इस्राएलियों को मैंने जितना अधिक बुलाया
वे मुझसे उतने ही अधिक दूर हुए थे। इस्राएल के
लोगों ने बाल देवताओं को बलियाँ चढ़ाई थी। उन्होंने
मूर्तियों के आगे धूप जलाई थी।
3एप्रैम को मैंने ही चलना सिखाया था! इस्राएल को
मैंने गोद में उठाया था! और मैंने उन्हें स्वस्थ किया
था! किन्तु वे इसे नहीं जानते हैं।
4मैंने उन्हें डोर बांध कर राह दिखाई, डोर–वह
प्रेम की डोर थी। मैं उस ऐसे व्यक्ति सा था जिसने उन्हें
स्वतंत्रता दिलाई, मैं नीचे की ओर झुका और मैंने
उनको आहार दिया था।

5किन्तु इस्राएलियों ने परमेश्वर की ओर मुड़ने से
मना कर दिया। सो वे मिस्र चले जायेंगे और अश्शूर
का राजा उनका राजा बन जायेगा। 6उनके नगरों के
ऊपर तलवार लटका करेगी। वह तलवार उनके
शक्तिशाली लोगों का वध कर देगी। वह उनके
मुखियाओं का काम तमाम कर देगी।
7मेरे लोग मेरे लौट आने की बाट जोहेंगे, वे ऊपर
वाले परमेश्वर को पुकारेंगे किन्तु परमेश्वर उनकी
सहायता नहीं करेगा।

यहोवा इस्राएल का विनाश नहीं चाहता

8हे एप्रैम, मैं तुझको त्याग देना नहीं चाहता हूँ। हे
इस्राएल, मैं चाहता हूँ कि मैं तेरी रक्षा करूँ। मैं तुझ
को अदना सा कर देना नहीं चाहता हूँ! मैं नहीं चाहता
हूँ कि तुझ को सबोयीम सा बना दूँ! मैं अपना मन
बदल रहा हूँ तेरे लिये प्रेम बहुत ही तीव्र है।
9मैं निज भीषण क्रोध को जीतने नहीं दूँगा। मैं फिर
एप्रैम को नष्ट नहीं कर दूँगा। मैं तो परमेश्वर हूँ मैं
कोई मनुष्य नहीं। मैं तो वह पवित्र हूँ, मैं तेरे साथ हूँ।
मैं अपने क्रोध को नहीं दिखाऊँगा।
10मैं सिंह की दहाड़ सी गर्जना करूँगा। मैं गर्जना
करूँगा और मेरी संताने पास आयेंगी और मेरे पीछे
चलेंगी। मेरी संताने जो भय से थर–थर कांप रहीं है,
पश्चिम से आयेंगी।
11वे कंपकंपाते पक्षियों सी मिस्र से आयेंगी। वे कांपते
कपोत सी अश्शूर की धरती से आयेंगी और मैं उन्हें
उनके घर वापस ले जाऊँगा।" यहोवा ने यह कहा
था।
12एप्रैम ने मुझे झूठे देवताओं से ढक दिया। इस्राएल के
लोगों ने रहस्यमयी योजनायें रच डालीं। किन्तु अभी भी
यहूदा एल के साथ था। यहूदा पवित्रों के प्रति सच्चा था।

यहोवा इस्राएल के विरुद्ध है

12 एप्रैम अपना समय नष्ट करता रहता है। इस्राएल
सारे दिन, "हवा के पीछे भागता रहता है।"
लोग अधिक से अधिक झूठ बोलते रहते हैं, वे अधिक
से अधिक चोरियाँ करते रहते हैं। अश्शूर के साथ
उन्होंने सन्धि की हुई है और वे अपने जैतून के तेल
को मिस्र ले जा रहे हैं।
2यहोवा कहता है, "इस्राएल के विरोध में मेरा एक
अभियोग है। याकूब ने जो कर्म किये हैं, उसे उनके
लिए दण्ड दिया जाना चाहिये। अपने किये कुकर्मो के
लिये, उसे निश्चय ही दण्ड दिया जाना चाहिये। 3अभी
याकूब अपनी माता के गर्भ में ही था कि उसने अपने
भाई के साथ चालबाजियाँ शुरु कर दीं। याकूब एक
शक्तिशाली युवक था और उस समय उसने परमेश्वर
से युद्ध किया। 4याकूब ने परमेश्वर के स्वर्गदूत से
कुश्ती लड़ी और उससे जीत गया। उसने पुकारा और
कृपा करने के लिये विनती की। यह बेतेल में घटा
था। उसी स्थान पर उसने हमसे बातचीत की थी।
5हाँ, यहोवा सेनाओं का परमेश्वर है। उसका नाम
यहोवा है। 6सो अपने परमेश्वर की ओर लौट आओ।
उसके प्रति सच्चे बनो। उचित कर्म करो! अपने
परमेश्वर पर सदा भरोसा रखो!
7"याकूब एक सचमुच का व्यापारी है। वह अपने
मित्रों तक को छलता है! उसकी तराजू तक झूठी है।
8एप्रैम ने कहा, 'मैं धनवान हूँ! मैंने सच्ची सम्पत्ति पा
ली है। मेरे अपराधों का किसी व्यक्ति को पता ही नहीं
चलेगा। मेरे पापों को कोई व्यक्ति जान ही नहीं पायेगा।'
9"किन्तु मैं तो तभी से तुम्हारा परमेश्वर यहोवा
रहा हूँ जब तुम मिस्र की धरती पर हुआ करते थे। मैं
तुझे तम्बुओं में वैसे ही रखूँगा जैसे तू मिलाप के तम्बू
के अवसर पर रहा करता था। 10मैंने नबियों से बात
की। मैंने उन्हें अनेक दर्शन दिये। मैंने नबियों को
तुम्हें अपने पाठ पढ़ाने के बहुत से तरीके दिये। 11किन्तु
गिलाद में फिर भी पाप है। वहाँ व्यर्थ की अनेक
वस्तुएँ हैं। गिलाद में लोग बैलों की बलियाँ अर्पित
करते हैं। उनकी बहुत सी वेदियाँ इस प्रकार की हैं,
जैसे जुते हुए खेत में मिट्टी की पंक्तियाँ हो।
12"याकूब आराम की ओर भाग गया था। इस स्थान
पर इस्राएल (याकूब) ने पत्नी के लिए मजदूरी की थी।
दूसरी पत्नी प्राप्त करने के लिए उसने मेढ़े रखी थीं।
13किन्तु यहोवा एक नबी के द्वारा इस्राएल को मिस्र से ले
आया। यहोवा ने एक नबी के द्वारा इस्राएल को सुरक्षित
रखा। 14किन्तु एप्रैम ने यहोवा को बहुत अधिक कुपित
कर दिया। एप्रैम ने बहुत से लोगों को मार डाला। सो
उसके अपराधों के लिए उसको दण्ड दिया जायेगा। उसका
स्वामी (यहोवा) उससे उसकी लज्जा सहन करवायेगा।'

इस्राएल ने अपना नाश स्वयं किया

13 "एप्रैम ने स्वयं को इस्राएल में अत्यन्त महत्वपूर्ण
बना लिया। एप्रैम जब बोला करता था, तो लोग
भय से थरथर काँपा करते थे किन्तु एप्रैम ने पाप किये
उसने बाल को पूजना शुरू कर दिया। 2फिर इस्राएल
अधिक से अधिक पाप करने लगा। उन्होंने अपने लिये
मूर्तियाँ बनाई। कारीगर चाँदी से उन सुन्दर मूर्तियों को
बनाने लगे और फिर वे लोग अपने उन मूर्तियों से बातें
करने लगे! वे लोग उन मूर्तियों के आगे बलियाँ चढ़ाते
हैं। सोने से उन बछड़ों को वे चूमा करते हैं। 3इसी कारण
वे लोग शीघ्र ही नष्ट हो जायेंगे। वे लोग सुबह की उस
धुंध के समान होंगे जो आती है और फिर शीघ्र ही गायब
हो जाती है। इस्राएली उस भूसे के समान होंगे जिसे खलिहान
में उड़ाया जाता है। इस्राएली उस धुँए के समान होंगे जो
किसी चिमनी से उठता है और लुप्त हो जाता है।

4"तुम लोग जब मिस्र में हुआ करते थे, मैं तभी से
तुम्हारा परमेश्वर यहोवा रहा हूँ। मुझे छोड़ तुम किसी
दूसरे परमेश्वर को नहीं जानते थे। वह मैं ही हूँ जिसने
तुम्हें बचाया था। 5मरुभूमि में मैं तुम्हें जानता था उस
सूखी धरती में मैं तुम्हें जानता था। 6मैंने इस्राएलियों
को खाने को दिया। उन्होंने वह भोजन खाया। अपना
पेट भर कर वे तृप्त हो गये। उन्हें अभिमान हो गया
और वे मुझे भूल गये!

7"मैं इसीलिये उनके लिए सिंह के समान बन
जाऊँगा। मैं राह किनारे घात लगाये चीता जैसा हो
जाऊँगा। 8मैं उन पर उस रींछनी की तरह झपट पड़ूँगा,
जिससे उसके बच्चे छीन लिये गये हों। मैं उन पर हमला
करूँगा। मैं उनकी छातियाँ चीर फाड़ दूँगा। मैं उस सिंह
या किसी दूसरे ऐसे हिंसक पशु के समान हो जाऊँगा
जो अपने शिकार को फाड़ कर खा रहा होता है।"

परमेश्वर के कोप से इस्राएल को कोई नहीं बचा सकता

9"हे इस्राएल, मैंने तेरी रक्षा की थी, किन्तु तूने
मुझसे मुख मोड़ लिया। सो अब मैं तेरा नाश करूँगा!
10कहाँ है तेरा राजा? तेरे सभी नगरों में वह तुझे नहीं
बचा सकता है! कहाँ हैं तेरे न्यायाधीश? तूने उनसे
यह कहते हुए याचना की थी, 'मुझे एक राजा और
अनेक प्रमुख दो।' 11मैं क्रोधित हुआ और मैंने तुम्हें
एक राजा दे दिया। मैं और अधिक क्रोधित हुआ
और मैंने तुम से उसे छीन लिया।

12"एप्रैम ने निज अपराध छिपाने का जतन किया;
उसने सोचा था कि उसके पाप गुप्त हैं। किन्तु उन
बातों के लिये उसको दण्ड दिया जायेगा।

13"उसका दण्ड ऐसा होगा जैसे कोई स्त्री प्रसव पीड़ा
भोगती है; किन्तु वह पुत्र बुद्धिमान नहीं होगा उसकी
जन्म की बेला आयेगी किन्तु वह पुत्र बच नहीं पायेगा।

14"क्या मैं उन्हें कब्र की शक्ति से बचा लूँ? क्या मैं
उनको मृत्यु से मुक्त करा लूँ? हे मृत्यु, कहाँ है तेरी
व्याधियाँ? हे कब्र, तेरी शक्ति कहाँ है? मेरी दृष्टि से
करुणा छिपा रहेगी!

15"इस्राएल निज बंधुओं के बीच बढ रहा है किन्तु
पवन पुरवाई आयेगी। वह यहोवा को आंधी मरुस्थल
से आयेगी, और इस्राएल के कुएँ सूखेंगे। उसका पानी
का सोता सूख जायेगा। वह आँधी इस्राएल के खजाने
से हर मूल्यवान वस्तु को ले जायेगी।

16"शोमरोन को दण्ड दिया जायेगा क्योंकि उसने अपने
परमेश्वर से मुख फेरा था। इस्राएली तलवारों से मार
दिये जायेंगे उनकी संतानों के चिथड़े उड़ा दिये जायेंगे।
उनकी गर्भवती स्त्रियाँ चीर कर खोल दी जायेंगी।"

यहोवा की ओर मुड़ना

14 हे इस्राएल, तेरा पतन हुआ और तूने परमेश्वर
के विरुद्ध पाप किया। इसलिये अब तू अपने
परमेश्वर यहोवा की ओर लौट आ। 2जो बातें तुझे
कहनी हैं, उनके बारे में सोच और यहोवा की ओर
लौट आ। उससे कह, "हमारे पापों को दूर कर और
उन अच्छी बातों को स्वीकार कर जिन्हें हम कर
रहे हैं। हम अपने मुख से तेरी स्तुति करेंगे।"

3अश्शूर हमें बचा नहीं पायेगा। हम घोड़ों पर सवारी
नहीं करेंगे। हम फिर अपने ही हाथों से बनाई हुई
वस्तुओं को, "अपना परमेश्वर" नहीं कहेंगे। क्यों?
क्योंकि बिना माँ–बाप के अनाथ बच्चों पर दया
दिखानेवाला बस तू ही है।

यहोवा इस्राएल को क्षमा करेगा

4 यहोवा कहता है,
"उन्होंने मुझे त्याग दिया।

मैं उन्हें इस के लिये क्षमा कर दूँगा।
मैं उन्हें मुक्त भाव से प्रेम करूँगा।
मैं अब उन पर क्रोधित नहीं हूँ।
5 मैं इस्राएल के निमित्त ओस सा बनूँगा।
इस्राएल कुमुदिनी के फूल सा खिलेगा।
उसकी बढ़वार लबानोन के देवदार
वृक्षों सी होगी।
6 उसकी शाखायें जैतून के पेड़ सी बढ़ेंगी
वह सुन्दर हो जायेगा।
वह उस सुंगध सा होगा जो लबानोन के
देवदार वृक्षों से आती है।
7 इस्राएल के लोग फिर से मेरे संरक्षण में रहेंगे।
उनकी बढवार अन्न की होगी,
वे अंगूर की बेल से फलें-फूलेंगे।
वे ऐसे सर्वप्रिय होंगे
जैसे लबानोन का दाखमधु है।"

इस्राएल को मूर्तियों के विषय में यहोवा की चेतावनी

8 "हे एप्रैम, मुझ यहोवा को इन मूर्तियों से
कोई सरोकार नहीं है।
मैं ही ऐसा हूँ जो तुम्हारी प्रार्थनाओं का
उत्तर देता हूँ।
मैं ही ऐसा हूँ जो ऊपर से
तुम्हारी रखवाली करता हूँ।
मैं हरे-भरे सनोवर के पेड़ सा हूँ।
तुम्हारे फल मुझसे ही आते हैं।"

अन्तिम सम्मति

9 ये बातें बुद्धिमान व्यक्ति को समझनी चाहियें,
ये बातें किसी चतुर व्यक्ति को जाननी चाहियें।
यहोवा की राहें उचित है।
सज्जन उसी रीति से जीएंगे;
और दुष्ट उन्हीं से मर जायेंगे।

License Agreement for Bible Texts

World Bible Translation Center
Last Updated: September 21, 2006

Copyright © 2006 by World Bible Translation Center
All rights reserved.

These Scriptures:

- Are copyrighted by World Bible Translation Center.
- Are not public domain.
- May not be altered or modified in any form.
- May not be sold or offered for sale in any form.
- May not be used for commercial purposes (including, but not limited to, use in advertising or Web banners used for the purpose of selling online add space).
- May be distributed without modification in electronic form for non-commercial use. However, they may not be hosted on any kind of server (including a Web or ftp server) without written permission. A copy of this license (without modification) must also be included.
- May be quoted for any purpose, up to 1,000 verses, without written permission. However, the extent of quotation must not comprise a complete book nor should it amount to more than 50% of the work in which it is quoted. A copyright notice must appear on the title or copyright page using this pattern: "Taken from the HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™ © 2006 by World Bible Translation Center, Inc. and used by permission." If the text quoted is from one of WBTC's non-English versions, the printed title of the actual text quoted will be substituted for "HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™." The copyright notice must appear in English or be translated into another language. When quotations from WBTC's text are used in non-saleable media, such as church bulletins, orders of service, posters, transparencies or similar media, a complete copyright notice is not required, but the initials of the version (such as "ERV" for the Easy-to-Read Version™ in English) must appear at the end of each quotation.

Any use of these Scriptures other than those listed above is prohibited. For additional rights and permission for usage, such as the use of WBTC's text on a Web site, or for clarification of any of the above, please contact World Bible Translation Center in writing or by email at distribution@wbtc.com.

World Bible Translation Center
P.O. Box 820648
Fort Worth, Texas 76182, USA
Telephone: 1-817-595-1664
Toll-Free in US: 1-888-54-BIBLE
E-mail: info@wbtc.com

WBTC's web site – World Bible Translation Center's web site: http://www.wbtc.org

Order online – To order a copy of our texts online, go to: http://www.wbtc.org

Current license agreement – *This license is subject to change without notice. The current license can be found at:* http://www.wbtc.org/downloads/biblelicense.htm

Trouble viewing this file – If the text in this document does not display correctly, use Adobe Acrobat Reader 5.0 or higher. Download Adobe Acrobat Reader from:
http://www.adobe.com/products/acrobat/readstep2.html

Viewing Chinese or Korean PDFs – To view the Chinese or Korean PDFs, it may be necessary to download the Chinese Simplified or Korean font pack from Adobe. Download the font packs from:
http://www.adobe.com/products/acrobat/acrrasianfontpack.html